

# इण कलयुग में बाबोसा भक्तो रा बेड़ा पार करे लिरिक्स



इण कलयुग में बाबोसा,  
भक्तो रा बेड़ा पार करे,  
सांचे मन से जो सुमरे,  
श्री बाबोसा रो ध्यान धरे,  
उण भक्ता रो उद्धार करे,  
इण कलयुग मे बाबोसा,  
भक्तो रा बेड़ा पार करे,  
दुखियो रा दुखड़ा दूर करे,  
अन्न धन रा भण्डार भरे,  
भक्तो री नैया पार करे।

तर्ज – वो महाराणा प्रताप कठे।

संकट मोचन बणकर के,  
संकट सगळा ही हर लेवे,  
रिद्धि सिद्धि ओर सम्पति,  
भक्ता ने भरपूर देवे,  
अला बला सब टल जावे हो..हो..हो,  
अला बला सब टल जावे,  
बाबोसा जद कृपा करें,  
सांचे मन से जो सुमरे,  
श्री बाबोसा रो ध्यान धरे,  
उण भक्ता रो उद्धार करे,  
दुखियो रा दुखड़ा दूर करे,  
अन्न धन रा भण्डार भरे,  
भक्तो री नैया पार करे।

बिन मांगे ही सब दे देवे,  
निर्धन ने कर दे मालामाल,  
पतिव्रता ने पुत्र देवे,  
बाबोसा म्हारा दीनदयाल,  
इण जीवन री रंगोली में हो..हो..हो,  
इण जीवन री रंगोली में,  
श्री बाबोसा ही रंग भरे,  
सांचे मन से जो सुमरे,  
श्री बाबोसा रो ध्यान धरे,  
उण भक्ता रो उद्धार करे,  
दुखियो रा दुखड़ा दूर करे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



श्री बाबोसा रा इण जग में,  
प्रत्यक्ष प्रमाण है बाईसा,  
बाईसा जब आह्वान करे,  
आवे है वटे श्री बाबोसा,  
दिव्य स्वरूप में बाईसा हो..हो,  
दिव्य स्वरूप में बाईसा,  
भक्ता रा पूरण काज करे,  
सांचे मन से जो सुमरे,  
श्री बाबोसा रो ध्यान धरे,  
उण भक्ता रो उद्धार करे,  
दुखियो रा दुखड़ा दूर करे,  
अन्न धन रा भण्डार भरे,  
भक्तो री नैया पार करे।bd।

श्री बाबोसा भगवान रा,  
लाखो ही चमत्कार है,  
'दिलबर' छगनी नंदन री,  
हो रही जय जयकार है,  
'रेणु' सुरो री सरगम सु हो..हो..हो,  
रेणु सुरो री सरगम सु,  
बाबोसा रो गुणगान करे,  
सांचे मन से जो सुमरे,  
श्री बाबोसा रो ध्यान धरे,  
उण भक्ता रो उद्धार करे,  
दुखियो रा दुखड़ा दूर करे,  
अन्न धन रा भण्डार भरे,  
भक्तो री नैया पार करे।bd।

इण कलयुग में बाबोसा,  
भक्तो रा बेड़ा पार करे,  
सांचे मन से जो सुमरे,  
श्री बाबोसा रो ध्यान धरे,  
उण भक्ता रो उद्धार करे,  
इण कलयुग मे बाबोसा,  
भक्तो रा बेड़ा पार करे,  
दुखियो रा दुखड़ा दूर करे,  
अन्न धन रा भण्डार भरे,  
भक्तो री नैया पार करे।bd।



गायिका – रेणु कोठारी मुम्बई।  
लेखक / प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।  
9907023365

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल  
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>